सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 291 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 2 दिसम्बर, 2022

मूल्य ₹ 3/-

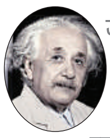

जब आप एक लड़की के साथ बैठे हों तो एक घंटा एक सेकेंड के समान लगता है। जब आप धधकते अंगारे पर बैठे हों तो एक सेकंड एक घंटे के समान लगता है। यही सापेक्षता है।

-अल्बर्ट आइंस्टीन

पुलिस विदेश तक तलाशने का दावा... 8 | समीकरणों के लिहाज से नवंबर... 3 | मैनपुरी में कमल खिलेगा ये अपेक्षा... 7

चुनाव में जाति के आधार पर तैनाती

समाज में आग क्यों लगाना चाहती है यूपी पुलिस

» गोला के बाद मैनपुरी में भी पुलिस अफसरों की जाति के आधार पर तैनाती पर मचा हंगामा

» चुनाव आयोग ने दिया मैनपुरी के अफसरों को नोटिस, मांगा तैनाती को लेकर जवाब

» पुलिस महकमें में ऐसे फैसलों की हो रही है कड़ी आलोचना लोग कह रहे हैं यह देगा बहुत खराब संदेश

संजय शर्मा

लखनऊ। पुलिस महकमें में एक बहुत खराब शुरुआत हो रही है। गोला के बाद लखीमपुर में भी पुलिस की साख पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लखीमपुर खीरी के गोला उपचुनाव के समय एक खबर वायरल हुई थी जिसमें कहा गया था कि इस चुनाव में यादव जाति के लोगों को चुनाव प्रक्रिया से दूर रखा गया है।

अब मैनपुरी में भी एक सूची वायरल हो रही है जिसमें पुलिसकर्मियों की तैनाती के समय उनके नाम के आगे जाति लिखी गयी है। इस सूची के बाद कुछ दारोगाओं को तैनात करने और कुछ को छुट्टी पर भेजने के फैसले के बाद चुनाव आयोग ने भी इस पर गहरी नाराजगी जाहिर की है। पुलिस महकमें में इस बात को लेकर बहुत रोष है कि यूपी में एक खतरनाक परंपरा की शुरुआत की जा रही है।

पुलिस के एक आवकाश प्राप्त अफसर ने कहा कि पुलिस में 40 फीसदी यादव, कुर्मी और मुस्लिम जाति के लोग हैं। अगर इस तरह इन जातियों की उपेक्षा की जायेगी और उन्हें अलग से सूचीबद्ध किया जाएगा तो यह पुलिस महकमें में एक खतरनाक परंपरा की शुरुआत होगी। हालांकि एसएसपी एटा ने ऐसी किसी लिस्ट का खंडन किया है मगर ऐसी किसी लिस्ट पर एफआईआर न होना बताता है कि मामला गड़बड़ है। इसी दौरान कुछ थानाध्यक्षों को लम्बी छुट्टी पर भेजने के फैसले पर कड़ी नाराजगी जताते हुए चुनाव आयोग ने मैनपुरी के अफसरों को नोटिस भेजता हुए कहा है कि क्यों ना उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। जाहिर है पुलिस महकमें यह एक खतरनाक शुरुआत है।

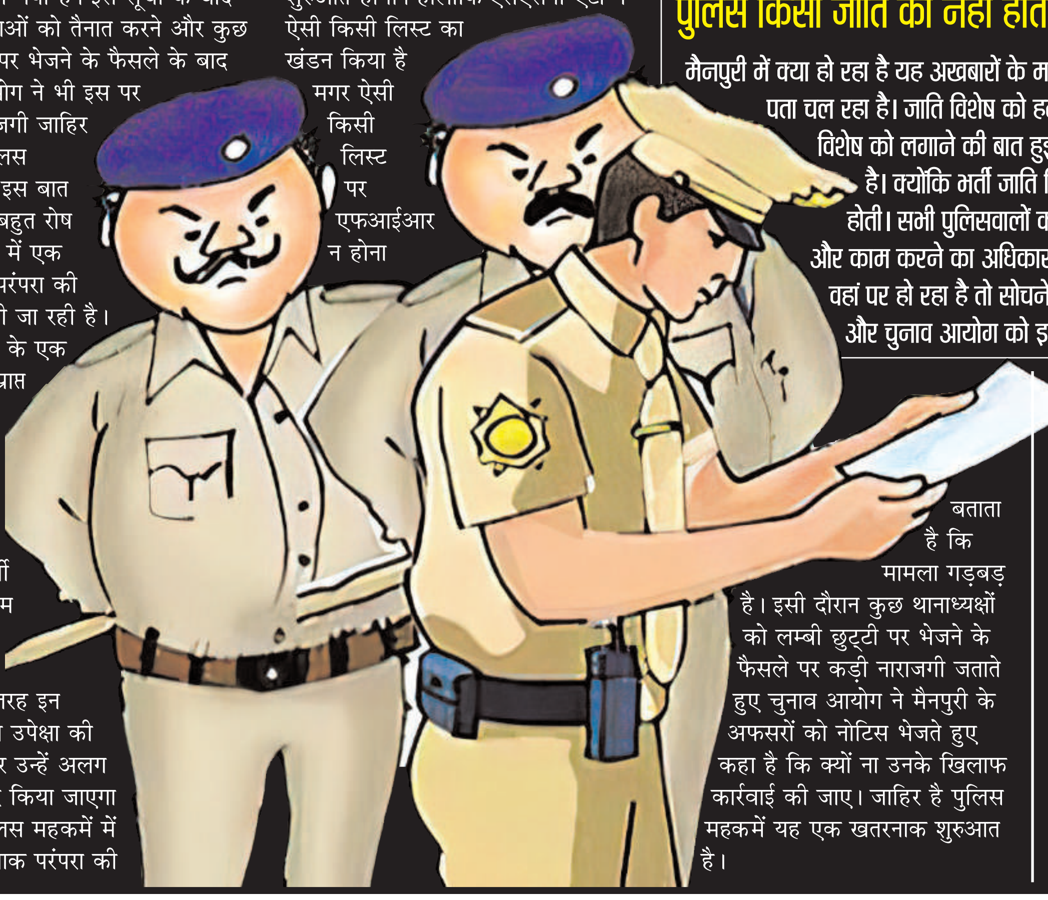

पुलिस किसी जाति की नहीं होती : एएल बनर्जी, पूर्व डीजीपी

मैनपुरी में क्या हो रहा है यह अखबारों के माध्यम से हमें पता चल रहा है। जाति विशेष को हटाकर जाति विशेष को लगाने की बात हुई है वो अन्याय है। क्योंकि भर्ती जाति विशेष की नहीं होती। सभी पुलिसवालों को बराबर से रहने और काम करने का अधिकार है। अगर ये सब वहां पर हो रहा है तो सोचने वाली बात है और चुनाव आयोग को इस पर एक्शन लेना चाहिए।

डीजीपी के खिलाफ कार्रवाई हो: अमिताभ ठाकुर, पूर्व आईजी

अगर ये सूची सही है तो ये अत्यंत गंभीर मामला है। इस तरह की जो जातिगत सूचियां सार्वजनिक रूप से लगाई गई है उसकी तत्काल जांच होनी चाहिए और अगर सूची सही है तो डीजीपी के खिलाफ कार्रवाई हो।

कम मतदान होने से गुजरात में परेशान सभी सियासी दल

» शहरी क्षेत्रों में और ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा वोटें होने से लोग लगा रहे हैं अपने-अपने अंदाज

» लगभग 8 प्रतिशत कम वोट क्या गुल खिला दे किसी को नहीं है अंदाजा

» एबीपी चैनल ने चलाना शुरू किया कि कांग्रेस सरकार बनने पर कोई पिछड़ा बनेगा गुजरात का सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जब एबीपी जैसे चैनल ने चलाना शुरू किया कि गुजरात में सरकार बदलने पर कांग्रेस किसी पिछड़ी जाति का सीएम बना सकती है तो हड़कंप मच गया। लोगों ने कहना शुरू किया कि क्या गुजरात में कम मतदान कोई नया गुल खिलाने वाला है। दरअसल 8 प्रतिशत कम मतदान कुछ भी इतिहास रच सकता है। इतने प्रचार के बाद मतदान कम होगा यह किसी ने सोचा नहीं था। आम आदमी पार्टी की एंट्री ने गुजरात चुनाव का सारा समीकरण बदल दिया है।

गुजरात की राजनीति को समझने के लिए 4पीएम के यूट्यूब के चैनल पर रोज लाखों लोग रात को सवा नौ बजे गुजरात की राजनीति पर होने वाली चर्चा देख रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह ने महीनों से अपनी पूरी ताकत गुजरात में लगा रखी है। कांग्रेस इस बार बहुत शांतिपूर्ण तरीके से प्रचार करने में जुटी हुई है। इस बीच आम आदमी पार्टी ने जिस तरह से अपने जबरदस्त प्रचार से अपनी धमक कायम की उसने सारे समीकरण बदल दिये। शुरुआत में आम आदमी पार्टी ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रिय थी तो भाजपा खुश थी मगर फिर बाद में शहरी क्षेत्र में आम आदमी पार्टी की जबरदस्त एंट्री ने सारा सीन बदल दिया।

किसी को अंदाजा नहीं था कि गुजरात के पहले चरण में मतदान 8 प्रतिशत तक कम हो जाएगा। अब ऐसे में सब की निगाह इस बात पर लगी है कि यह कम मतदान किसको नुकसान पहुंचायेगा।

भाजपा सरकार गरीबों और किसानों पर कर रही है अत्याचार : अखिलेश

» सीएम और उपमुख्यमंत्री पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। रामपुर में आयोजित चुनावी जनसभा को सम्बोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार गरीबों और किसानों पर अत्याचार कर रही है। मोहम्मद आजम खान साहब पर झूठे मुकदमें लगाकर अन्याय किया। उन्होंने रामपुर विधानसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी आसिम राजा को जिताने की अपील की। अखिलेश ने कहा कि हम लोग कानून और संविधान को मानने वाले हैं और संविधान के दायरे में लड़ाई लड़ रहे है। जो सत्ता में बैठे हैं, उन्हें कानून और संविधान की परवाह नहीं है। वे न कानून मान रहे हैं और न संविधान।

अखिलेश ने लोगों से अपील की कि जो भी जोखिम उठाना पड़े उसे उठाकर वोट की ताकत से भाजपा को सत्ता से बाहर करें। अखिलेश ने ब्रजेश पाठक का बिना नाम लिए तंज कसते हुए कहा कि वो अपने विभाग के एक सीएमओ और डॉक्टर का ट्रांसफर नहीं कर पा रहे। उसी तरह केशव प्रसाद मौर्य को लेकर सपा मुखिया ने कहा कि एक दूसरे उपमुख्यमंत्री हैं, उनका विभाग बदल दिया गया। वो जिस विभाग के मंत्री बने उस विभाग का बजट ही नहीं है। इतना ही नहीं, सपा मुखिया ने सीएम योगी को लेकर कहा कि जब मैं मुख्यमंत्री था, तब आज के मुख्यमंत्री जी की भी फाइल मेरे सामने आई थी, लेकिन हमने वापस कर दिया था। हम समाजवादी लोग उस तरह की राजनीति नहीं करते जैसा ये लोग कर रहे हैं।

हमारे चाचा डरने वाली नहीं

शिवपाल सिंह यादव को लेकर किए गए एक सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि वह हमारे चाचा हैं और किसी से डरने वाले नहीं हैं। चाहे उनके विरुद्ध कितने भी षड्यंत्र रच लिए जाएं। सुरक्षा कम करने की बात है तो वह लगातार सुरक्षा कम करती जा रही है। आज चाचा की बात है कल हमारी भी कर सकती है।

आजम खान को परेशान किया गया

अखिलेश यादव ने कहा कि आजम खां को परेशान किया गया है। राजनीति का यह तरीका नहीं है कि आप सत्ता में आए और दूसरे लोगों को परेशान करें और खत्म करने का काम करें। यह तरीका दक्षिणी राजनीति का था। अब वहां भी यह तरीका खत्म हो गया है। अब लोगों को जोड़ने का काम होना चाहिए तोड़ने का नहीं।

मैनपुरी, खतौली और रामपुर अच्छे वोटों से जीतेंगे

अखिलेश बोने कि मैनपुरी में हम अच्छी बढ़त के साथ चुनाव जीतने जा रहे हैं। इसके अलावा रामपुर और खतौली की सीट भी जीतेंगे। लोग हमारे साथ हैं और मतदान भी हमारे पक्ष में होगा।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पीएम पर साधा निशाना

» हर रोज कांग्रेस को 4 क्विंटल गालियां देते हैं पीएम नरेंद्र मोदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वडोदरा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह हर रोज कांग्रेस को चार क्विंटल गालियां देते हैं। सोनिया गांधी और राहुल गांधी सहित पार्टी के नेताओं पर हमला बोलते हैं।

खरगे गुजरात के वडोदरा जिले के वाघोडिया शहर में कांग्रेस उम्मीदवार सत्यजीत सिंह गायकवाड़ के पक्ष में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। खरगे ने कहा कि मोदीजी बार-बार दावा करते हैं कि हमने उनका अपमान किया। वह मुझ पर और कांग्रेस के अन्य नेताओं पर उनके लिए अपशब्दों का प्रयोग करने का आरोप लगाते हैं। कभी-कभी मोदीजी कहते हैं कि वह गरीब हैं। आप कब तक यह कहते रहेंगे (कि मैं गरीब हूं) ? यह कैसे संभव है जब आप करीब साढ़े 13 साल तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे और पिछले आठ साल से प्रधानमंत्री हैं?

खरगे ने सरकार पर संपत्तियां बेचने का आरोप लगाया

खरगे ने कहा कि अगर कांग्रेस ने सात दशकों तक भारत में लोकतंत्र और संविधान को नहीं सुरक्षित रखा होता तो मोदी और उनके दोस्त कभी प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री नहीं बन पाते। उन्होंने कहा कि हमने अतीत में जो कुछ भी बनाया था, मोदीजी सब कुछ बेच रहे हैं, चाहे वह बंदरगाह हो या हवाई अड्डे। ऐसी संपत्तियां बेचने के बाद, वे हमसे सवाल करते हैं कि हमने पिछले 70 साल में क्या किया। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि आप जो कुछ भी बेच रहे हैं, उन्हें हमने बनाया था।

ठंड में खत्म होने की बजाय प्रयागराज में डेंगू अब भी जानलेवा

» युवा महिला अधिवक्ता समेत दो की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। डेंगू से प्रभावित हो रहे लोगों की कम संख्या से माना जा रहा था कि डेंगू का असर धीरे-धीरे खत्म हो रहा है। लेकिन इसका विकराल स्वरूप फिर सामने आया। एक युवा महिला अधिवक्ता समेत दो लोगों की डेंगू से मौत हो गई। इससे साफ है कि डेंगू का डंक अब भी जानलेवा बना हुआ है जबकि कहा जाता है कि ठंड बढ़ने के साथ धीरे-धीरे डेंगू का कहर भी थम जाता है।

30 वर्षीय अधिवक्ता स्मृति कार्तिकेय का निधन पीजीआइ लखनऊ में हुआ। राजापुर निवासी राकेश बनौधा की बेटी स्मृति के निधन के बारे में जिसने भी सुना अवाक रह गया। जो उन्हें करीब से जानते थे उनकी आंखों से आंसू बह पड़े। दरअसल स्मृति वकालत पेशे के अलावा समाज सेवा में भी अग्रणी रहती थीं। कोरोना काल में उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की मदद की थी जबकि एसिड हमले से जुड़े मामलों में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए उनका केस नि:शुल्क लड़ा। पिता राकेश बनौधा ने बताया कि बेटी को डेंगू होने पर कुछ दिन मेदांता अस्पताल में इलाज कराया था, हालत नहीं सुधरी तो पीजीआइ ले गए थे। ग्राम कसारी पटकौली निवासी 25 वर्षीय राजू यादव पुत्र रामसिंह, को डेंगू हो गया था। मंगलवार राजू की मौत हो गई।

कांग्रेस नेता नावेद मियां को आकाश सक्सेना का समर्थन करना पड़ा महंगा

छह साल के लिए पार्टी से निकाला

» भाजपा प्रत्याशी पहुंचे थे नावेद मियां के आवास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। रामपुर विधानसभा उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी आकाश सक्सेना का समर्थन करने पर कांग्रेस ने इसे अनुशासनहीनता मानते हुए पूर्व मंत्री नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है। उप चुनाव में इस बार सपा और भाजपा प्रत्याशी ही मैदान में हैं। कांग्रेस और बसपा ने कोई प्रत्याशी नहीं उतारा है।

पूर्व मंत्री नवेद मियां ने पहले ही भाजपा प्रत्याशी को समर्थन देने की घोषणा कर दी थी। भाजपा प्रत्याशी उनसे मिलने नूरमहल भी गए थे। उनकी इन गतिविधियों की शिकायत कांग्रेस हाईकमान तक पहुंच गई थी।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति के सदस्य श्याम किशोर शुक्ला की ओर से पूर्व मंत्री नवेद मियां को पार्टी से उनके निष्कासन के बारे में पत्र जारी कर दिया गया। आजम खां और नूरमहल के बीच पुरानी सियासी अदावत है। यही वजह है कि उप चुनाव से कांग्रेस ने भले ही किनारा कर लिया हो, लेकिन नवेद मियां इस चुनाव में आजम खां को हराने के लिए आकाश सक्सेना का समर्थन कर रहे हैं। भाजपा प्रत्याशी आकाश सक्सेना बीते दिनों पूर्व मंत्री नवेद मियां के आवास नूर महल पहुंचे थे। गन्ना विकास परिषद के पूर्व चेयरमैन बाबर अली खां समेत नवेद मियां के तमाम समर्थक भी वहां मौजूद रहे। लगभग दो घंटे तक हुई चर्चा के बाद नावेद मियां ने आकाश सक्सेना के समर्थन की घोषणा की थी।

पांच बार विधायक रहे हैं नावेद

नवेद मियां पांच बार खुद भी विधायक रहे हैं। उन्होंने पिछला विधानसभा चुनाव आजम खां के खिलाफ लड़ा था, लेकिन जीत नहीं पाए थे। वहीं उनके पुत्र हैदर अली खां उर्फ हमजा मियां ने रामपुर की स्वार सीट से कांग्रेस का टिकट ठुकरा कर भाजपा के सहयोगी दल अपना दल (एस) के प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा था। नवेद मियां के पिता नवाब जुल्फिकार अली खां उर्फ मिक्की मियां ने लोक सभा में रामपुर का पांच बार और मां नूरबानो ने दो बार प्रतिनिधित्व किया है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

रेल यात्रियों के लिए राहत भरी खबर

अब सफर के दौरान भी बन जाएगा आधार कार्ड

» गोरखपुर में जल्द लगेगा सिस्टम

» प्रतिदिन खुलेगा आधार केंद्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

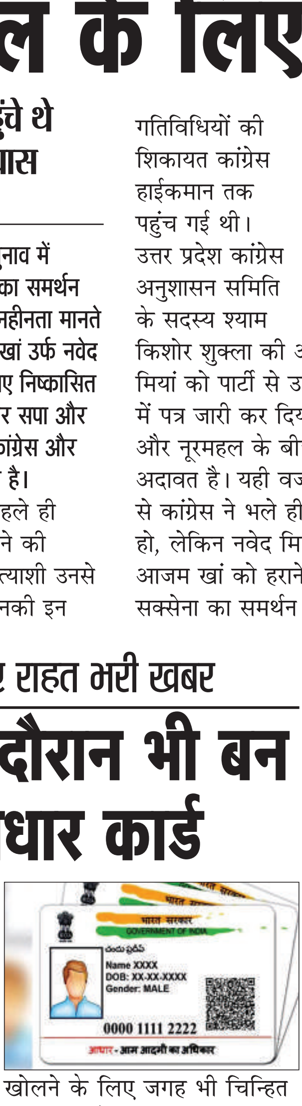

गोरखपुर। रेल यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। अब वे सफर के दौरान भी आधार कार्ड बनवा सकते हैं। गलत नाम, पता, जन्मतिथि, लिंग, मोबाइल नंबर और ई-आधार प्रिंट भी दुरुस्त (अपडेट) करा सकते हैं। लोगों की सुविधा के लिए गोरखपुर स्टेशन पर भी आधार केंद्र खुलेगा।

लखनऊ मंडल प्रशासन की पहल पर स्टेशन प्रबंधन ने गोरखपुर में जनरल टिकट काउंटरों के बगल में आधार केंद्र खोलने के लिए जगह भी चिन्हित कर लिया है। जल्द ही सिस्टम लगाने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। आधार केंद्र यात्रियों और आमजन के लिए प्रतिदिन खुलेगा। लोग अपना आधार नामांकन और अपडेट आसानी से करा सकेंगे। आधार नामांकन और अपडेट रेलवे के कर्मचारी ही करेंगे। इसके लिए भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने मंडल के वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों को तकनीकी प्रशिक्षण दिया है।

समीकरणों के लिहाज से नवंबर माह शुभ रहा समाजवादी पार्टी के लिए

» भाजपा का रघुराज को प्रत्याशी बनाना और शिवपाल का अखिलेश के साथ आना सपा के लिए फायदे का सौदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में तीन सीट मैनपुरी, रामपुर और खतौली में उपचुनाव हो रहा है। इस दौरान यूपी की राजनीति में नवंबर महीने के दौरान कुछ ऐसे फैसले हुए जिसने काफी सुर्खियां बटोरी। हालांकि चाचा शिवपाल सिंह यादव के साथ आने और बीजेपी के एक फैसले ने समाजवादी पार्टी को काफी राहत मिली।

नेताजी के निधन के बाद मैनपुरी सीट पर उपचुनाव हो रहा है। इस सीट पर बीजेपी और सपा के बीच कांटे की टक्कर है। एक ओर अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव सपा के टिकट पर मैदान में हैं तो दूसरी ओर बीजेपी से रघुराज शाक्य चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसे में नेताजी की सियासी विरासत को संभालने की जिम्मेदारी अभी डिंपल यादव के कंधों पर डाली गई है। बीजेपी ने मैनपुरी उपचुनाव के लिए रघुराज शाक्य को अपना उम्मीदवार बनाया है। हालांकि प्रत्याशी के एलान से पहले यहां नेताजी की छोटी बहू अपर्णा यादव के उम्मीदवार बनाए जाने की चर्चा थी। अपर्णा यादव ने बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी से मुलाकात की। लेकिन रघुराज शाक्य के उम्मीदवार बनाए जाने के बीजेपी के फैसले ने यादव परिवार और सपा को बड़ी राहत दी। विधानसभा चुनाव के बाद से ही सपा प्रमुख अखिलेश यादव और प्रसपा प्रमुख शिवपाल सिंह यादव के बीच की नाराजगी किसी से छिपी नहीं थी। लेकिन नेताजी के निधन और फिर शिवपाल सिंह यादव के रूख ने सपा प्रमुख को बड़ी राहत दी। अब मैनपुरी में अखिलेश यादव और शिवपाल यादव फिर साथ आ गए हैं। इसके बाद मैनपुरी उपचुनाव में पूरा यादव कुनबा एकजुट दिख रहा है। यूपी उपचुनाव से पहले ओम प्रकाश राजभर की पार्टी सुभासपा और बीजेपी के बीच गठबंधन को लेकर अटकलें चल रही थी। लेकिन उपचुनाव में सुभासपा ने मैनपुरी और खतौली में अपना उम्मीदवार उतार दिया। जिसके बाद बीजेपी से गठबंधन को लेकर असमंजस की स्थिति बन गई है। हालांकि एक मीडिया चैनल से बाचतीच के दौरान सुभासपा प्रमुख ने मायावती से भी बात करने की बात स्वीकार की है। यूपी उपचुनाव में कांग्रेस और बीएसपी के उम्मीदवार नहीं उतारने की वजह से चुनाव रोचक हो गया है। इस उपचुनाव में बीजेपी और सपा के बीच सीधा मुकाबला हो गया है। हालांकि इन दोनों ही पार्टियों का वोट किस तरफ जाएगा, इसको लेकर तरह-तरह की अटकलें चल रही है। ये वोटर्स जिस तरफ जाएंगे, वो चुनाव परिणाम को प्रभावित करेंगे।

तुम शिष्य तो दूर चेला भी नहीं हो : शिवपाल

उत्तर प्रदेश में उपचुनाव के दौरान यादव कुनबे के फिर से एकजुट होने के बाद शिवपाल सिंह यादव के बयान काफी चर्चा में हैं। सपा विधायक अपने करीबी रहे और अब बीजेपी उम्मीदवार रघुराज सिंह शाक्य पर जमकर निशाना साध रहे हैं। एक बार फिर से उन्होंने बीजेपी प्रत्याशी पर जुबानी हमला बोला है। सपा विधायक ने कहा, रघुराज शाक्य घूम-घूमकर कह रहे हैं कि मैं उनका शिष्य हूं। लेकिन शिष्य ऐसा कभी नहीं करता है, वो हमेशा गुरु की बात मानता है। ये तो छिप कर चले गए और गुरु को पूछा भी नहीं, इसलिए ये चेला लायक भी नहीं थे। ये तो बहुत बड़े स्वार्थी निकले हैं।

प्रसपा प्रमुख का दावा

- शिवपाल सिंह यादव ने कहा, वे यहां क्लर्क की नौकरी करते थे, क्लर्क की नौकरी भी हमने दिलवाई थी। दो बार एमपी का टिकट दिलाया, जबकि सबसे ज्यादा तो जसवंतनगर ने जिताता था। तब जसवंतनगर इटावा में था। फिर उसके बाद एमएलए बनाया, तब भी जिताया। लेकिन वो तो चेला बनने लायक भी नहीं हैं।
- प्रसपा प्रमुख ने कहा, बीजेपी दहशत करना चाह रही है और हम बचना चाह रहे हैं। हम इसलिए बचना चाह रहे हैं कि बड़ी जीत हो रही है, जबकि वो हार रहे हैं। वो हार रहे हैं इसलिए बौखला रहे हैं। नेताजी ऐसे व्यक्ति थे कि जाति और मजहब से ऊपर उठकर जो भी उनके पास आता था, वो उनकी मदद करते थे। उनकी सोच सबके लिए एक जैसी थी और लोकतंत्र में सबको अधिकार है।
- इससे पहले उन्होंने कहा था, ये हमारे पीछे ऐसे लगे रहते थे, जैसे बैलगाड़ी के नीचे कोई कुत्ता होता है। यहां कोई टहल रहा है जो कह रहा है कि मैं शिवपाल यादव का शिष्य हूं, तुम शिष्य तो दूर चेला भी नहीं हो।

बीजेपी सरकार किसी भी प्रकार की अराजकता और गुंडागर्दी को पनपने नहीं देगी : योगी

» उपचुनाव में योगी के तीखे बयानों को लेकर तकरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में तीन सीटों पर वोटिंग से पहले चुनाव प्रचार तेज हो गया है। इन तीनों ही सीटों पर बीजेपी और समाजवादी पार्टी के बीच सीधी टक्कर है। दोनों ही पार्टियां पूरे जोर शोर से प्रचार अभियान में लगी हुई हैं। इसी बीच बुधवार को सीएम योगी आदित्यनाथ मेरठ में एक जनसभा को संबोधित किया।

चुनाव प्रचार के दौरान सीएम योगी ने कहा, डबल इंजन की बीजेपी सरकार किसी भी प्रकार की अराजकता और गुंडागर्दी को पनपने नहीं देगी। जो जिस भाषा में समझेगा, उसको उस भाषा में समझाने का कार्य करेगी। विकास सबका, सुरक्षा सबकी, लेकिन तुष्टीकरण किसी का नहीं।

दरअसल, सीएम योगी ने केराना और कांगला में सपा सरकार के दौरान पलायन का आरोप लगाते हुए कहा, पहले गुंडे आकर वसूली करते थे, राह चलते हुए राहगीरों की हत्या कर देते थे और बहन बेटियां स्कूल नहीं जा पाती थी। लेकिन आज पलायन बंद हो गया है। जो भागे हुए थे वे व्यापारी वापस आए हैं। लेकिन सपा और आरएलडी के एक जोड़ी फिर से इसके खिलाफ साजिश कर रही है।

विकास कार्यों का जिक्र

मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा, आज से पांच साल पहले मेरठ से दिल्ली की दूरी तय करने में तीन-चार घंटे लगते थे। लेकिन अब 12 लेन के एक्सप्रेस-वे से दिल्ली-मेरठ की दूरी को मात्र 45 मिनट में पूरा कर सकते हैं। इसी तरह मेरठ से बुलंदशहर, मेरठ से बागपत की दूरी को सीमित करने का प्रयास हो रहा है।
उन्होंने कहा, देश की पहली रैपिड रेल दिल्ली-मेरठ के बीच में बन रही है, इसके लिए मैं मेरठवासियों को अग्रिम बधाई देता हूं। प्रदेश की पहली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के रूप में मेरठ की पहचान बनने जा रही है। प्रदेश में हम लोगों ने अब तक ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में 45 लाख गरीब परिवारों को एक-एक आवास उपलब्ध कराया है। पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत ठेला, खोमचा, रेहड़ी लगाने वालों के लिए ब्याज मुक्त ऋण की व्यवस्था की गई है। अब तक नौ लाख पटरी व्यवसायी लाभान्वित हुए हैं।

उन्हें हमारी गर्मी पसंद क्यों नहीं, हम तो गर्म थे और रहेंगे: जयंत

मुजफ्फरनगर की खतौली विधानसभा पर हो रहे उपचुनाव को लेकर चुनावी घमासान अपने चरम पर है, जहां सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुलडोजर, कैराना पलायन और कवाल कांड को याद कराते हुए जनसभा की तो वहीं रालोद मुखिया जयंत चौधरी ने उन पर पलटवार किया है। जयंत चौधरी ने कहा कि सीएम को गन्ने से इतनी नफरत क्यों है, क्या वो चीनी नहीं खाते हैं। उन्हें हमारी गर्मी पसंद क्यों नहीं आती, हम तो गर्म थे और रहेंगे। बुलडोजर की धौंस दिखा रहे हो लेकिन अब तो बुलडोजर की चाबी मुजफ्फरनगर वालों के हाथ में रहेगी।

जयंत चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री जी से मैं कहना चाहता हूं, सो लिया करो, मीठी चाय पिया करो, कुछ अपने जीवन में मिठास लाओ, इतनी नफरत ना करो।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

रोड शो महज संयोग नहीं है!

> आचार संहिता का एक नियम यह भी है कि सामान्य आचरण की तरह यह संहिता उम्मीदवारों को ऐसी किसी भी गतिविधि से रोकती है जो समुदायों के बीच तनाव की वजह बन सकती है या तनाव को बढ़ा सकती है। वोट हासिल करने के लिए जाति या साम्प्रदायिक भरी भावनाओं से अपील करने से रोकती है। अब इस नियम के संदर्भ में आप पीएम मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयानों पर नजर डालें। अमित शाह ने खेड़ा जिले में एक रैली में 25 नवंबर को पहले 2002 के गुजरात दंगों की याद दिलाई और कहा कि हमने दंगाइयों को सबक सिखा दिया। अमित शाह क्या कहना चाह रहे थे और इशारा क्या था। इसे समझना मुश्किल भी नहीं है।

गुजरात में कल जब पहले चरण का मतदान हो रहा था तभी पीएम मोदी का सबसे बड़ा रोड शो अहमदाबाद में हो रहा था। यह महज संयोग नहीं है। देशभर के टीवी चैनल वोटिंग के पीक टाइम में मोदी-मोदी से गूंज रहे थे। चुनाव आयोग की नजर में यह आचार संहिता का उल्लंघन नहीं है, क्योंकि मोदी का रोड शो दूसरे चरण में होने वाले मतदान के लिए है। इस पर कहीं कोई सवाल या बहस नहीं है कि आखिर मतदान वाले दिन ही पीएम मोदी का रोड शो क्यों। हर चुनाव की तरह गुजरात विधानसभा चुनाव के समय भी आदर्श आचार संहिता लागू है। लेकिन यह आदर्श आचार संहिता बार-बार तार हो रही है। हर कदम पर टूट रही है। आदर्श आचार संहिता हर दल पर लागू होती है, चाहे वो सत्तारूढ़ पार्टी का प्रधानमंत्री हो या विपक्षी शासित राज्य का मुख्यमंत्री चुनाव वाले राज्य में प्रचार करने गया हो। लेकिन रोड शो के मामले में पीएम मोदी का इतिहास चर्चित है।

2014 के आम चुनाव, 2017 के यूपी चुनाव, 2019 के आम चुनाव और अब 2022 में गुजरात चुनाव में आचार संहिता टूटने का आरोप कांग्रेस पार्टी ने चुनाव आयोग को सौंपे ज्ञापनों में बार-बार लगाया है। लेकिन 2014 से लेकर अब तक चुनाव आयोग एक बार भी पीएम मोदी को चेतावनी तक जारी नहीं कर सका। गुजरात में इतिहास खुद को दोहरा रहा है। गुरुवार को मतदान वाले दिन पीएम मोदी ने फिर से रोड शो किया। चूंकि चुनाव आयोग ने उनके ऐसे रोड शो पर पहले ऐतराज नहीं किया तो इसे छूट मान ली गई या फिर प्रधानमंत्री का विशेषाधिकार मान लिया गया। नब्बे के दशक में टीएन शेषन मुख्य चुनाव आयुक्त थे। 1991 के चुनाव में पूरी तरह आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू थी। क्या मजाल है कि सत्तारूढ़ पार्टी किसी कानून को तोड़ सके। शेषन की नजर विपक्ष से ज्यादा सत्तारूढ़ पार्टी की गतिविधियों पर रहती थी। पीएम मोदी ने भी गुजरात की रैलियों में आतंकवाद और कट्टरपन का बार-बार जिक्र कर रहे हैं और कह रहे हैं कि गुजरात के युवकों को आतंकवाद से बचाना है। सवाल ये है कि जो चुनाव गुजरात मॉडल और विकास के मुद्दे पर लड़ा जाना चाहिए था, उसमें आतंकवाद और कट्टरपन का जिक्र करके किस तरह इशारा किया जा रहा है। दूसरी तरफ पीएम मोदी की पार्टी ने गोधरा से उस शख्स को टिकट दिया जो बिलकीस बानो गैंगरेप, हत्या के मामले में सजायाफ्ता है। जिसे गुजरात सरकार ने 11 अन्य दोषियों के साथ जेल से रिहा कर दिया।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

झरने बचेंगे, तो बचेंगी नदियां

पंकज चतुर्वेदी

जलवायु परिवर्तन की मार अब भारत में प्रत्येक प्राकृतिक संरचना और उसके जरिये समाज पर पड़ रही हैं। झरने एक ऐसा जल स्रोत हैं, जिस पर बड़ी आबादी निर्भर है, लेकिन उनके सिकुड़ने पर समाज का अपेक्षित ध्यान नहीं जा रहा है। देश की सैंकड़ों गैर हिमालयी नदियों, खासकर दक्षिण राज्यों की, का उद्गम ही झरनों से हैं। नर्मदा, सोन जैसी विशाल नदियां मध्य प्रदेश में अमरकंटक से झरने से ही फूटती हैं। झरने का अस्तित्व पहाड़ से है, उसे ताकत मिलती हैं घने जंगलों से और संरक्षण मिलता है अविरल प्रवाह से।

वर्ष 2020 में शोध पत्रिका 'वाटर पॉलिसी' ने भारतीय हिमालय क्षेत्र में स्थित 13 शहरों में 10 अध्ययनों की एक शृंखला आयोजित की थी। उसमें खुलासा हुआ कि कई शहर, जिनमें मसूरी, दार्जिलिंग और काठमांडू जैसे प्रसिद्ध पर्वतीय स्थल शामिल हैं, पानी की मांग-आपूर्ति के गहरे अंतर का सामना कर रहे हैं। इसका मूल कारण जल सरिताओं-झरनों का सूखना है। यही बात अगस्त, 2018 में नीति आयोग की रिपोर्ट में कही गयी थी। झरना एक ऐसी प्राकृतिक संरचना है, जहां से जल एक्वीफर्स (चट्टान की परत, जिसमें भूजल होता है) से पृथ्वी की सतह तक बहता है। पूरे भारत में लगभग पचास लाख झरने हैं, जिनमें से लगभग तीस लाख हिमालय क्षेत्र में हैं। हमारे देश की बीस करोड़ से अधिक आबादी पानी के लिए झरनों पर निर्भर है। भारतीय हिमालय क्षेत्र 2,500 किलोमीटर लंबे और 250 से 300 किलोमीटर चौड़े क्षेत्र में फैला है और इसमें 12 राज्यों के 60 हजार गांव हैं, जिसकी आबादी पांच करोड़ है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा इसके दायरे में हैं। असम और पश्चिम बंगाल भी आंशिक रूप से इसके तहत आते हैं। दक्षिण भारत में पश्चिमी घाटों में, कभी बारहमासी रहने वाले झरने मौसमी होते जा रहे हैं और इसका सीधा असर कावेरी, गोदावरी जैसी नदियों पर हो रहा है। झरनों के जल ग्रहण क्षेत्र में बेपरवाही से रोपे जा रहे नलकूपों ने भी झरनों का रास्ता रोका है। उत्तराखंड के अल्मोड़ा क्षेत्र में झरनों की संख्या पिछले 150 वर्षों में 360 से घटकर 60 रह गयी है। उत्तराखंड में नब्बे प्रतिशत पेयजल आपूर्ति झरनों पर निर्भर है, जबकि मेघालय में राज्य के सभी गांव पीने और सिंचाई के लिए झरनों का उपयोग करते हैं। ये झरने जैव-विविधता एवं पारिस्थितिकी तंत्र के महत्वपूर्ण घटक भी हैं। झरनों के लगातार लुप्त होने या उनमें जल कम होने का सारा दोष जलवायु परिवर्तन पर नहीं मढ़ा जा

सकता। अंधाधुंध पेड़ कटाई और निर्माण के कारण पहाड़ों को हो रहे नुकसान ने झरनों के प्राकृतिक मार्गों में अवरोध पैदा किया है। भले ही बांध बना कर पहाड़ों पर पानी एकत्र करने को आधुनिक विज्ञान अपनी सफलता मान रहा हो, लेकिन ऐसी संरचनाओं के निर्माण के लिए निर्ममता से होने वाले बारूदी धमाके और पारंपरिक जंगलों के उजाड़ने से सदानीरा कहलाने वाली नदियों के प्रवाह में होने वाली कमी पर कोई विचार कर नहीं रहा है। हालांकि नीति आयोग ने 2018 में झरना संरक्षण कार्यक्रम की कार्य योजना तैयार की थी और यह उसकी चार साल पुरानी एक रिपोर्ट पर आधारित थी, पर अभी तक इस दिशा में किसी तरह की प्रगति नहीं हुई है। यह जानकर सुखद लगेगा कि सिक्किम ने इस संकट को 2009 में ही भांप लिया था। इससे पहले सिक्किम में प्रति परिवार पानी का खर्च 32 सौ रुपये महीना था। इसके बाद सरकार ने स्प्रिंग शेड प्रोजेक्ट पर काम शुरू किया। साल 2013-14 में झरनों के आसपास 120 हेक्टेयर पहाड़ी क्षेत्र में गड्ढे बनाकर बारिश का पानी संरक्षित करने पर काम शुरू किया और इसके 100 फीसदी परिणाम आने शुरू हो गये। अब पूरे राज्य में %धारा विकास योजना' चल रही है और परिवारों का पानी पर होने वाला खर्च भी खत्म हो गया है। झरनों को लेकर सबसे अधिक बेपरवाही उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में है, जो बीते पांच सालों में भूस्खलन के कारण तेजी से बिखर भी रहे हैं। इन राज्यों में झरनों के आसपास भूमि क्षरण कम करने, हरियाली बढ़ाने और मिट्टी के नैसर्गिक गुणों को बनाये रखने की कोई नीति नहीं बनायी गयी। मिट्टी में पानी का प्राकृतिक प्रवाह बढ़ाने और एक्वीफर्स या जलभृत में अधिक बरसाती जल पहुंचने के मार्ग खोलने पर विचार ही नहीं हुआ।

जलग्रहण क्षेत्र में स्वच्छता बनाये रखते हुए पारिस्थितिक तंत्र को कायम रखने और भूजल एवं धरती पर जल प्रवाह के प्रदूषण को रोकने की किसी को परवाह ही नहीं है। यह अब किसी से छिपा नहीं है कि मौसम चक्र तेजी से बदल रहा है। कहीं बरसात कम हो रही है, तो कहीं अचानक जरूरत से ज्यादा बरसात, फिर धरती का तापमान तो बढ़ ही रहा है। झरने हमारे सुरक्षित और शुद्ध जल का भंडार तो हैं ही, नदियों के प्राण भी इसी में बसे हैं। जरूरत इस बात की है कि नैसर्गिक जल सरिताओं और झरनों के कुछ दायरे में निर्माण कार्य पर पूरी तरह रोक हो। ऐसे स्थानों पर कोई बड़ी परियोजनाएं न लायी जाएं, जहां का पर्यावरणीय संतुलन झरनों से हो।

बढ़ते साइबर अपराधों को रोकने में विफल सरकारी तंत्र

ललित गर्ग

व्हाट्सअप, फैसबुक, इंस्टाग्राम हैक होने की घटनाएं दिनों दिन बढ़ती जा रही है, आम आदमी इन हमलों से भारी नुकसान झेल रहे हैं, लेकिन विडम्बना यह है कि सरकार के पास इसके समाधान का तंत्र कमजोर एवं बेअसर है। इन सोशल मीडिया के हमलों के साथ-साथ साइबर हमलों ने भी खतरों की झड़ी लगा दी है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सूचना क्रांति ने हमारा जीवन आसान बना दिया है। तकनीक के जरिए प्रत्येक क्षेत्र में नित नए कीर्तिमान एवं जीवन को आसान बनाने की स्थितियां भी कायम हुई हैं। लेकिन, जिस तरह से साइबर संसार एवं तकनीक का विस्तार हो रहा है, उससे तेज गति से साइबर अपराध बढ़ रहे हैं, उन्हें देखते हुए कई बार तो लगता है कि हम कहीं वैश्विक जंग का नया मैदान तैयार करने एवं आम आदमी से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाओं एवं संसाधनों को खतरे में तो नहीं डाल रहे हैं।

ऐसा इसलिए, क्योंकि इस साइबर संसार के विस्तार के साथ ही राष्ट्रीय एवं व्यक्ति सुरक्षा को नया खतरा पैदा हो गया है, जो किसी युद्ध से भी ज्यादा खतरनाक एवं नुकसानदायी है। ऐसा युद्ध जिसमें न हमलावर का जल्द ही पता लग पाता और न ही हमले से हुए नुकसान का अंदाजा लगाया जा सकता। इन बढ़ते साइबर हमलों पर काबू पाने में सरकार की नाकामी ज्यादा चिन्ताजनक है। आम आदमी से संबंधित व्यक्तिगत डेटा या आंकड़े को चोरी होने से बचाना सरकार की प्रथम प्राथमिकता होनी चाहिए। प्रतिदिन व्हाट्सअप, फैसबुक, इंस्टाग्राम हैक होने की घटनाएं आम होती जा रही है, लेकिन इसी बीच अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान-एम्स के सर्वर में सेंधमारी ने तो सरकार की नींद उड़ा दी है। तकनीकी विशेषज्ञों की लगातार कोशिशों के बावजूद उसे पहले की तरह ठीक नहीं किया जा सका है। आशंका जताई जा रही है कि एम्स के सर्वर को हैक करने से करोड़ों व्यक्तियों से जुड़ी सूचनाओं पर सेंध लगने के साथ फिलहाल अस्पताल की इमरजेंसी, ओपीडी, लैब व अन्य सेवाओं में मैनुअली काम हो रहा है।

इसे चिकित्सा के क्षेत्र में सबसे बड़ा साइबर हमला माना जा सकता है। मोटे अनुमान के मुताबिक एम्स के पास 4 करोड़ मरीजों का डेटा है। कई अतिविशिष्ट लोग जिनमें पूर्व प्रधानमंत्रियों, मंत्रियों, नौकरशाहों जैसे खास एवं नामचीन हस्तियों और उनकी हेल्थ-उपचार से जुड़ी जानकारी भी इस अस्पताल के सर्वर में उपलब्ध रहती है। चिंता की बात यह भी है कि एम्स सर्वर को हैक करने के मामले में जांच एजेंसियां अभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पाई हैं। इस बीच हैकर्स की ओर से सर्वर बहाल करने की एवज में 200 करोड़ रुपए की क्रिप्टो करेंसी की मांग की बात भी सामने आई है। हालांकि दिल्ली पुलिस इस बात से इंकार कर रही है। लेकिन, इस आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता कि किसी दूसरे देश में बैठे हैकर्स ने इस करतूत को अंजाम दिया है। देश की साइबर सुरक्षा में घुसपैठ के मामले लगातार बढ़ते ही दिख रहे हैं। इन अति महत्वपूर्ण संस्थानों के साथ आम व्यक्ति के व्हाट्सअप, फैसबुक, इंस्टाग्राम हैक होने एवं करोड़ों रुपये हैंकरों के द्वारा हड़प लेने के बावजूद सरकार ने इन खतरों से निपटने के किसी सशक्त तंत्र को विकसित नहीं किया है। साइबर अपराधों पर नियंत्रण के लिये अलग से पुलिस केन्द्र तो खोले गये हैं, लेकिन इनमें काम करने वाले कर्मी-अधिकारियों को साइबर अपराधों के नियंत्रण की तकनीक का ज्ञान शून्य है, अन्य थानों की तरह यहां पर पीड़ितों से अपराधियों जैसे व्यवहार एवं सवालात किये जाते हैं। विडम्बना तो यह है कि इस तरह की शिकायत दर्ज करने में ही कोताही बरती जाती है। इन पुलिस केन्द्र में कोई भी ऐसे संसाधन एवं तकनीकी उपकरण नहीं हैं कि वे तत्काल उस पर नियंत्रण कर सके। मेरा व्हाट्सअप गत दिनों हैक हो गया, हैकर ने मेरे मिलने-जुलने वाले सभी व्हाट्सअप सदस्यों से पैसे मांगे। कुछ परिचितों ने हैकर के बताये अकाउन्ट में पैसे डाल भी दिये। मैं सभी सूचनाओं के साथ बदरपुर स्थित साइबर अपराध सैल, साउथ दिल्ली पहुंचा, पहले तो शिकायत लेने से ही मना कर दिया, जब मैंने अपना परिचय दिया तो उन्होंने मेरी बात सुनी, लेकिन मुझे आश्चर्य हुआ कि हैकर का अकाउन्ट नंबर, मोबाइल नम्बर, उसके पैसे मांगने के संवाद की स्क्रीन शूट आदि सूचनाएं देने के बावजूद वे कुछ नहीं कर पाये और कहने लगे कि आपकी शिकायत ही नहीं बनती, जिनके पैसे डूबे हैं, वे शिकायत करें। वहां मौजूद अधिकारी के कहने पर मेरी शिकायत ली गयी। लेकिन इस साइबर अपराध सैल का क्या फायदा यदि वो लगातार चल रहे हैकर के आक्रमण को रोक न पाये? केन्द्र सरकार की ओर से इसी साल लोकसभा में दी गई जानकारी में यह स्वीकार किया गया था कि पिछले चार वर्ष के दौरान देश में साइबर सुरक्षा तंत्र में घुसपैठ के 36.29 लाख प्रयास हो चुके हैं। साइबर अटैक के ये प्रयास वर्ष 2021 में सबसे ज्यादा हुए। सरकार अपराधों की बात महिमामंडित करके विधायी संस्थानों में प्रस्तुत करती है, लेकिन उनके समाधान के लिये सरकार ने क्या किया, इस सवाल पर गहरा सन्नाटा पसरा होता है। साइबर स्पेस के तमाम खतरों को देखते हुए दुनिया के किसी भी कोने से रची जाने वाली साइबर अटैक की साजिश को लेकर हमें सतर्क रहना होगा। संवेदनशील संस्थानों की डेटा सुरक्षा पर विशेष निगाह रखनी होगी। यह बात सही है कि अब धीरे-धीरे युद्ध मैदानों में नहीं, बल्कि साइबर सुरक्षा ध्वस्त करने के नाम पर भी ल? जाने वाले हैं। इसलिए हमें भी साइबर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम तो करने ही होंगे, इसको लेकर सख्त कानून भी बनाना होगा। ब?ते साइबर फ्रॉड के मामलों पर नियंत्रण के लिये सरकार को जागना होगा, कोरे साइबर क्राइम सैल खोलने से अपराध नहीं रुकेंगे, उसकी तकनीक एवं साधन विकसित करने होंगे, वैसे दक्ष लोगों को यह काम सौंपना होगा।

मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को जाना जाता है

मोक्षदा एकादशी

इस वर्ष मोक्षदा एकादशी 3 दिसंबर 2022 यानी शनिवार के दिन पड़ रही है। सनातन धर्म में एकादशी व्रत को सभी व्रतों में सर्वश्रेष्ठ माना गया है। मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मोक्षदा एकादशी के नाम से जाना जाता है। महाभारत के युद्ध के समय जब भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था उस दिन मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी थी इसलिए इस दिन गीता जयंती और मोक्षदा एकादशी संयुक्त होने से इस व्रत का महत्व और अधिक ब? जाता है।

शुभ योग

मोक्षदा एकादशी के दिन रवि योग का संयोग बन रहा है। बन रहा है। रवि योग में काम की शुरुआत करने से सूर्य देव और विष्णु जी की कृपा मिलती है, जिससे सभी काम बिना रुकावट के पूरे होते हैं।

03

दिसंबर 2022 यानी शनिवार के दिन पड़ रही है मोक्षदा एकादशी

व्रत और पूजा के नियम

इस दिन के व्रत में भगवान कृष्ण की पूजा करें।
एकादशी से एक दिन पहले दोपहर के समय दशमी तिथि पर भोजन करें।
एकादशी तिथि के दिन सुबह स्नान करके व्रत का पालन करें।
इस दिन भगवान कृष्ण की फूलों से पूजा करें। पूजा में इस दिन दिये शामिल करें और भगवान कृष्ण को प्रसाद अर्पित करें।
अपनी यथाशक्ति के अनुसार गरीबों और जरूरतमंद लोगों को भोजन खिलाएं।
इस दिन की पूजा में भगवान कृष्ण के साथ तुलसी पूजन अवश्य करें। इसे बेहद ही शुभ माना गया है।

करें ये कार्य

मोक्षदा एकादशी पर सुबह स्नान के बाद श्रीकृष्ण के समक्ष दीपक लगाकर गीता का पाठ करना चाहिए इससे साधक समस्त महा पाप खत्म हो जाते हैं। इस दिन भगवान विष्णु को पांच गुंजाफल अर्पित करें। पूजा के बाद इन्हें अपनी धन स्थान पर रख दें। मान्यता है इससे तरक्की के रास्ते खुल जाते हैं और धन की देवी लक्ष्मी का वास होता है

ज्योतिषीय महत्व

इस वर्ष मोक्षदा एकादशी 3 दिसंबर रविवार के दिन पड़ रही है जोकि अश्विनी नक्षत्र में मेष राशि में आता है। यहां पर अश्विनी नक्षत्र का शासक बुद्धि का ग्रह केतु होता है जो व्यक्ति को मोक्ष प्रदान करता है और अब केतु मंगल द्वारा शासित वृश्चिक राशि में स्थित है। जानकारी के लिए बता दें कि मेष और वृश्चिक इन दोनों ही राशियों पर मंगल ग्रह का शासन होता है।

कहानी — सलाह

एक बार की बात है अकबर दरबार लगाए बैठे थे। अकबर के मन में एक सवाल आया और अपनी सभा से पूछा, हमारे राज्य में किस व्यवसाय के लोग सबसे अधिक है, किसी ने कहा सैनिक, किसी ने कहा बावर्ची आदि-आदि। जब बीरबल का नंबर आया तो बीरबल ने कहा हमारे राज्य में डॉक्टर सबसे ज्यादा है। यह सुनकर अकबर को बहुत अचम्भा हुआ उसने बीरबल से कहा बीरबल हमारे राज्य में तो गिने चुने डॉक्टर हैं। बीरबल ने कहा हुजूर जिसका जवाब में कल दूंगा कल आप मेरे साथ चलिएगा। अगले दिन अकबर बीरबल जैसे ही निकले अकबर ने देखा बीरबल का हाथ चाकू से कट गया है। अकबर ने पूछा ये क्या हुआ बीरबल ने बताया सुबह फल काटते समय हाथ कट गया। अकबर ने तुरंत कहा इस पर यह दवा लगा लेना और दोनों घूमने निकल लिए। बीरबल के हाथ में काफी दर्द हो रहा था तो बीरबल एक जगह पेड़ के नीचे बैठ गए चुकी बीरबल को सभी जानते थे तो जो भी उधर से गुजरता बीरबल का हाथ देख कर कुछ न कुछ सलाह जरूर दे देता और बीरबल उन सबके नाम एक कागज पर लिख लेते। शाम होते-होते उस कागज पर कई नाम हो गए जब बादशाह लौटकर आये तो उन्होंने पूछा ये कागज कैसा है बीरबल ने सब बता दिया और कहां जहांपनाह आपका नाम तो सबसे ऊपर लिखना भूल ही गया। अपने तो सबसे पहली सलाह दी थी। अकबर समझ गए बीरबल क्या कहना चाहते है।

सीख : जब तक हमसे सलाह मांगी न जाये हमें नहीं देनी चाहिए और जब उस विषय पर हमें पूरी समझ हो तभी कोई सलाह देनी चाहिए।

7 अंतर खोजें

हंसना मना है

पत्नी-आप बहुत भोले हैं... आपको कोई भी बेवकूफ बना देता है। पति-शुरुआत तो तेरे बाप ने की है।

सेठ (नौकर से)- जरा देखना तो कितना टाइम हो रहा है...? नौकर- मुझे टाइम देखना नहीं आता। सेठ- अच्छा कोई बात नहीं। यह देखकर बताओ कि बड़ी सूई कहां है और छोटी सूई कहां है? नौकर- दोनों सूइयां घड़ी में ही हैं।

एक कंजूस अपने बच्चे को पीट रहा था। पड़ोसी ने पूछा- क्यों पीट रहे हो कंजूस-इसको बोला एक सीढ़ी छोड़कर चढ़, चप्पल कम घिसेगी नालायक 2 सीढ़ी छोड़कर चढ़ा, पायजामा फाड़ दिया।

पप्पू मंदिर के बाहर टहल रहा था भिखारी-बेटा तेरी जोड़ी सलामत रहे। पप्पू-अंकल मैं तो सिंगल हूं। भिखारी-मैं जूतों की जोड़ी की बात कर रहा हूं बेटा। पप्पू बेहोश!

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। आप घर और ऑफिस की दुनिया से बाहर निकल कर प्रकृति का आनंद लेगा । पुरानी बहुमूल्य चीज़ों के मोलभाव पर आज आपको लाभ होगा।

तुला

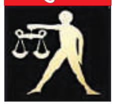

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें।

वृषभ

घरेलू सुख-सुविधा की चीजों पर जरूरत से ज्यादा खर्चा न करें। आपका मूडी रवैया आपके भाई का मिजाज खराब कर सकता है। स्नेह के बंधन को बनाए रखने के लिए आपको परस्पर सम्मान और विश्वास पैदा करने की जरूरत है।

वृश्चिक

आज का दिन शानदार बीतेगा। कार्यस्थल पर वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की तारीफ कर सकते हैं। आपकी सैलरी में बढ़ोत्तरी भी हो सकती है। आपके अटके हुए काम पूरे हो सकते हैं।

मिथुन

आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज अपनी सोच को सकारात्मक रखें, नकारात्मक चीज़ों को अपने ऊपर हावी न होने दें। लेकिन आपको अच्छे ऑप्शन देखकर ही कदम आगे बढ़ाना चाहिए।

धनु

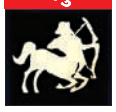

मानसिक शान्ति के लिए किसी दान-पुण्य के काम में सहभागिता करें। कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर ?ायदा दिलायेगा। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा।

कर्क

आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने तयशुदा बजट से दूर न जाएं। जरूरत के वक्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। आज प्यार की मदहोशी में हकीकत और फ़साना मिलकर एक होते मालूम होंगे।

मकर

आज का दिन आपके लिए उत्साहपूर्ण रहेगा । आज कार्यों में तरक्की बनी रहेगी। साथ ही कोई मांगलिक कार्य भी कर सकते हैं। दोस्तों के साथ बाहर मौसम का लुफ्त उठा सकते हैं।

सिंह

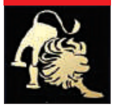

निवेश से जुड़े कुछ बेहतर मौके मिल सकते हैं। आज नए विचार आपके सामने आते रहेंगे। आज योजना बनाने और फैसला लेने के लिए दिन बहुत अच्छा है।

कुम्भ

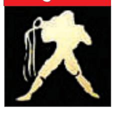

बड़े बुजुर्गों की सलाह आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगी। धन लाभ का योग बन रहा है। शत्रु आपको हराने का प्रयास करेंगे, लेकिन आपके सामने अधिक देर तक ठहर नहीं पायेंगे।

कन्या

आज आपके पास प्रचुर ऊर्जा होगी लेकिन काम का बोझ आपकी खीज की वजह बन सकता है। घरेलू सुख-सुविधा की चीजों पर जरूरत से ज्यादा खर्चा न करें। दोस्तों और परिवार के साथ मजेदार समय बीतेगा।

मीन

मानसिक शान्ति के लिए तनाव के कारणों का समाधान करें। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ खुशी के पल बिताएं।

बॉलीवुड | मन की बात

एकता कपूर ने अश्लीलता को लेकर तोड़ी चुप्पी

एकता कपूर को ओटीटी एडल्ट ऐप की मल्लिका कहा जाता है। ऑल्ट बालाजी की एडल्ट वेब सीरीज में अश्लील कंटेंट को लेकर उन्हें सुप्रीम कोर्ट तक ने बेरहमी से फटकार लगाई थी। कोर्ट ने कहा कि वह इस तरह की वेब सीरीज से देश की युवा पीढ़ी के दिमाग को प्रदूषित कर रही हैं। इतने दिनों तक चुप्पी साधने के बाद आखिरकार एकता कपूर ने इस मामले पर अपना एक्शन दिया है। डेली सोप की दुनिया की बेताज बादशाह एकता कपूर ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक बड़ा ही सीरियस नोट लिखा- जिसमें लिखा है- तुम करो तो लस्ट स्टोरीज और हम करे तो गंदी बात। हालांकि एकता ने इसके साथ कोई नाम मेंशन नहीं किया लेकिन कई लोगों का मानना था कि उन्होंने फिल्म मेकर और होस्ट करण जौहर पर इसके जरिए निशाना साधा जिन्होंने लस्ट स्टोरीज में एक स्टोरी का प्रोडक्शन किया था। हाल ही में एकता ने दर्शकों को ऐसी वुमन सेंट्रिक कहानियां परोसने पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि इस तथ्य से परे कि मैं अपने ही जेंडर का सपोर्ट करती हूं, फैक्ट ये है कि यह एक ऐसा देश है जिसमें घर और घर का रिमोट महिलाओं के हाथ में होता है। इस देश की आधी आबादी के लिए मेरा पास कहानियां और अधिक जूसी, कहीं अधिक मनोरंजक और कहीं अधिक बहुआयामी हैं। अपनी बात बढ़ाते हुए एकता ने कहा- आप महिलाओं के बारे में कहानियां बनाते हैं और आपको मल्टीटास्किंग और नेविगेशन के वास्तविक अर्थ का एहसास होता है। महिलाओं के बारे में घरेलू कहानियां, मुझे इस तरह की कहानी सबसे ज्यादा पसंद है। बता दें कि 1 दिसंबर को ओटीटी पर एकता कपूर की फिल्म फ्रेडी रिलीज हुई। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन लीड रोल में नजर आ रहे हैं। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने एकता कपूर के ओटीटी पर अश्लील कंटेंट को लेकर उन्हें जमकर फटकार लगाई थी। उनकी तरफ से मुकुल रोहतगी कोर्ट में पेश हुए और उन्होंने अदालत से अपनी क्लाइंट के लिए सुरक्षा की मांग की और कहा कि देश में लोगों को क्या देखना है और क्या बनाना इसकी आजादी है। साथ ही कहा कि ये कंटेंट सबके लिए नहीं है ये सब्सक्रिप्शन बेस्ड है।

अपनी फ्लॉप फिल्मों पर अभिनेता ने दिया रिएक्शन

पिक्चर चले न चले नवाजुद्दीन चलेगा

नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपनी बेहतरीन फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। वह अपनी एक्टिंग से फैंस को प्रभावित करते रहते हैं। फैंस के दिल में उतर जाने वाले नवाजुद्दीन सिद्दीकी की फिल्में बीते काफी समय से पर्दे पर कुछ खास कमाल नहीं कर पा रही हैं। कुछ दिनों पहले अभिनेता की फिल्म हड्डी से उनका एकदम अलग लुक सामने आया था। इसे फैंस ने खूब पसंद किया था। हालांकि नवाजुद्दीन की फिल्म फ्लॉप हो या नहीं उनको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है। इस बात का खुलासा उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान किया है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी की फिल्मों को बीते कुछ समय से वह प्यार नहीं मिला है, जो उनको पिछली फिल्मों को मिला। नवाजुद्दीन सिद्दीकी की फोटोग्राफ, मोतीचूर चकनाचूर और हीरोपंती 2 जैसी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर नहीं चल पाईं। इसे लेकर उन्होंने इंटरव्यू के दौरान कहा कि फिल्म के फ्लॉप होने का सारा दोष एक्टर पर मढ़ दिया जाता है और डायरेक्टर से सवाल तक नहीं किया जाता। नवाजुद्दीन ने शाहरुख खान का उदाहरण देकर कहा शाहरुख खान को इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि उनकी फिल्में फ्लॉप हो रही हैं या बॉक्स ऑफिस पर पिट रही हैं। नवाजुद्दीन ने कहा मैं अपना काम ईमानदारी से करता हूं और मेहनत करने से पीछे नहीं हटता। नवाजुद्दीन ने आगे कहा, एक फिल्म के बॉक्स ऑफिस पर पिटने की कई वजहें हो सकती हैं। लेकिन इसके लिए डायरेक्टर पर कोई सवाल नहीं उठाया जाता, सारा दोष एक्टर पर मढ़ दिया जाता है और कहा जाता है कि इस अभिनेता की फिल्म फ्लॉप हो गई। फिल्में फ्लॉप होने पर या तो कहानी में गड़बड़ होगी या फिर डायरेक्टर की गलती। इसीलिए मुझे अब इन सब बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता है। उन्होंने ये भी कहा कि मेरी फिल्में चलें या न चलें मैं हमेशा चलूंगा।

बॉलीवुड | गपशप

अभी शांत नहीं हुआ अर्जुन कपूर का गुस्सा

मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर इंडस्ट्री के पावर कपल कहे जाते हैं। दोनों सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। अक्सर दोनों की शादी की खबरें सामने आती रहती हैं। हालांकि दोनों ने कभी इन बातों पर कोई रिएक्शन नहीं दिया है। लेकिन मलाइका पर कोई भी मुसीबत आए तो अर्जुन सामने खड़े नजर आते हैं। हाल ही में ऐसी अफवाह उड़ी कि मलाइका अरोड़ा एक बार फिर प्रेग्नेंट हैं। ये खबरें पढ़ने के बाद अर्जुन कपूर का पारा हाई हो गया। उन्होंने अफवाह फैलाने वालों को जमकर लताड़ लगाई थी। लेकिन अभी भी अर्जुन कपूर का गुस्सा शांत नहीं हुआ है। उन्होंने फिर सोशल मीडिया पर अपना गुस्सा जाहिर किया है।

अर्जुन कपूर ने इंस्टाग्राम पर कुछ देर पहले एक स्टोरी पोस्ट की है। उन्होंने फिर से अपना गुस्सा जाहिर करते हुए लिखा- हर किसी को अपने कर्मों का हिसाब मिलता है। आप अपनी पूरी जिंदगी लोगों से पंगा नहीं ले सकते हो। मुझे फर्क नहीं पड़ता कि आप कौन हो। जैसा जाएगा वैसा ही आएगा, ऐसे ही चीजें चलती हैं। जल्दी या देर से ब्रह्माण आपको अपने कर्मों का फल देगा, जिसके आप हकदार हो।

बॉलीवुड | मसाला

अजब-गजब | इस महल में जाने से भी घबराते हैं लोग

इस भूतिया हवेली से आती है लड़कियों की दिल दहला देने वाली आवाज

दुनियाभर में सैकड़ों भूतिया इमारतें हैं जिनके बारे में तमाम कहानियां भी सुनने को मिलती रहती हैं। ऐसी ही एक इमारत है स्पेन में जिसे प्रेतवाधित घर यानि हॉन्टेड हाउस कहा जाता है। इस घर की कहानी बेहत ही डरावनी है। जिसे सुनकर किसी की भी रुह कांप जाएं। बता दें कि इस हांटेड हाउस को कोर्टीजो जुराडो के नाम से भी जाना जाता है।

इस घर को स्पेन के एंडलुसिया के सबसे धनी परिवारों में से एक मैलागा ने खरीदा और फिर बनाया था। इस घर के बारे में ऐसा कहा जाता है कि इस भयावह घर को एक भव्य कृषि उद्यम बनाने की योजना के लिए खरीदा गया था। कासा एनकांटडा की कहानी 1850 में शुरू होती है। तभी से इस रहस्यमयी घर में सायों को चारों ओर घूमते देखा जाने लगा था।

कहा जाता है कि कमरे में रोशनी दिखाई देती थी और गायब हो जाती थी। बताया जाता है कि इस घर में चीजें अपने आप हिलने-डुलने लगती थीं। उसके बाद अचानक से अजीब सी चीख सुनाई देने लगती थी। ऐसा बताया जाता है कि इस घर के अंदर कुछ लोगों को गंभीर अपराध और यातनाएं दी गई थीं। क्योंकि ये डरावना घर काफी समय पहले बनाया गया था।

साल 1925 में जुराडो परिवार ने इस संपत्ति को खरीद लिया और इसमें होने वाली डरावनी और असाधारण गतिविधियों के लिए ये इमारत स्पेन की सबसे डरावनी हवेली के रूप में जानी जाने लगी। हालांकि, कासा एनकांटडा के पीछे की कहानी हेरेडिया परिवार के समय से ही चली आ रही है। ऐसा माना जाता है कि ये परिवार दूसरे अमीर परिवारों के साथ मिलकर 18 से 21 साल की लड़कियों का अपहरण किया करते थे।

इसके बाद पीड़ितों के साथ दुष्कर्म और हत्या कर उन्हें हवेली में ही दफना दिया जाता था। उस समय कई लड़कियां गायब हुईं, लेकिन कोई भी साबित नहीं कर पाया कि इस अपराध के पीछे हेरेडिया परिवार का हाथ था। बताया जाता है कि आज भी इस घर से हर रात चीखें सुनाई देती है। कहा जाता है कि ये चीखें उन्ही ल?कियों की होती है जिनकी इस घर में हत्या की गई थी और अब वो इंसाफ के लिए चिल्लाती हैं।

नागिन की मौत का बदला: दो टुकड़ों में कट जाने के बाद भी नाग ने किसान को डंसा

आपने सांपों के बदले के कई किस्से कहानियां सुनी होंगी। कई बार सोशल मीडिया पर भी ऐसे किस्से सामने आए हैं, जहां नाग-नागिन का जोड़ा अपने साथी की मौत का बदला जरुर लेता है। अगर नाग की मौत हो जाए तो नागिन और अगर नागिन की मौत हो जाए तो नाग उसकी मौत का बदला लेता है। नाग-नागिन के बदले पर कई फिल्में भी बन चुकी हैं। अब एक ऐसा ही वाकया रियल लाइफ में भी देखने को मिला। यहां एक नाग ने अपनी नागिन की मौत का बदला लिया। घटना हाल ही मध्यप्रदेश के रायसेन जिले में सामने आई है। यहां नागिन की मौत के बाद नाग ने दो टुकड़े होने के बाद भी बदला ले लिया। नागिन की मौत का बदला लिए जाने की ये हैरान कर देने वाली घटना मध्यप्रदेश के रायसेन जिले की बेगमगंज तहसील के महुआखेड़ा गांव की है। यहां के एक किसान अनिल शर्मा अपने खेत के बाड़े में ट्रैक्टर से सफाई कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कचरा साफ करने के लिए ट्रैक्टर को रिवर्स लिया। कचरे के ढेर में एक नाग—नागिन का जोड़ा प्रेम लीला कर रहा था। ट्रैक्टर की चपेट में आने से नागिन की मौत हो गई। जब किसान को अहसास हुआ कि उसके ट्रैक्टर की चपेट में सांप आ गया है तो किसान ट्रैक्टर से नीचे उतारा। इस दौरान किसान के साथ खेत में ही काम करने वाला एक आदमी और था। दोनों ने नीचे उतरकर देखा तो टायर के नीचे चिपटे सांप के पास ही एक और सांप बैठा हुआ था। दूसरे सांप को भगाने के लिए अनिल शर्मा ने बड़ा हंसिया उठाया और उसे भगाने के प्रयास किया लेकिन इस प्रयास में हंसिया दूसरे सांप को लग गया और उसके दो टुकड़े हो गए। हंसिये से नाग के दो टुकड़े होने पर अनिल को लगा कि नाग मर गया है लेकिन वो कुछ समझ पाते इससे पहले ही दो टुकड़े हो चुके नाग ने उछलकर उनके हाथ पर डंस लिया और नागिन की मौत का बदला ले लिया। सांप के काटने के बाद साथ में मौजूद कर्मचारी और परिजन तुरंत अनिल को लेकर बेगमगंज सिविल अस्पताल पहुंचे। यहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे सागर रेफर किया गया। वहीं इस घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। वहीं जिस नागिन को लोग मृत समझ रहे थे, वह घायल अवस्था में उस ट्रैक्टर के पास बैठी हुई थी।

मैनपुरी में कमल खिलेगा ये अपेक्षा नहीं है, पूर्ण विश्वास है: केशव मौर्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव को लेकर सत्ता पक्ष भाजपा और प्रमुख विपक्षी समाजवादी पार्टी के बीच आरोप प्रत्यारोप की लड़ाई तेज होती जा रही है। पार्टी उम्मीदवार रघुराज सिंह शाक्य के पक्ष में प्रचार करने आये उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि उपचुनाव में यहां कमल खिलेगा ये अपेक्षा नहीं है, बल्कि पूर्ण विश्वास है। उन्होंने मतदाताओं से कमल के फूल पर वोट देने की अपील करते हुए कहा कि सैफई परिवार की गुंडागर्दी का सदा के लिए अंत कर दो।

सपा के राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल द्वारा भाजपा को गुंडों का गिरोह बताने और चुनाव प्रभावित करने का आरोप लगाने पर केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश की 25 करोड़ जानती है कि गुंडे कौन हैं, अपराधी कौन हैं, माफिया कौन हैं और सुशासन देने वाले सत्य के पथ पर चलने वाले कौन लोग हैं।

उन्होंने कहा कि पांच साल का हमारा पिछली सरकार का कार्यकाल जनता के सामने इसका उदाहरण है। हम आम जनता के हित के लिए काम करने वाले लोग हैं। जबकि सपा सरकार जब-जब रही है, तब तब हर समय कर्फ्यू जैसा माहौल उत्तर प्रदेश की जनता को जीना पड़ता था।

सपा हार के डर से तैयार कर रही स्क्रिप्ट

केशव मौर्य ने प्रो. रामगोपाल यादव के सरकार पर ताकत के दम पर चुनाव लड़ने, कुछ विशेष वर्ग के लोगों के नाम चुनाव ड्यूटी के लिए नहीं लगाने, वोटर लिस्ट से नाम हटाने के आरोप पर कहा कि उनकी चुनाव हारने की स्थिति साफ दिखाई दे रही है। इसलिए वह हारने के बाद की स्क्रिप्ट अभी से तैयार कर रहे हैं। जिससे बाद में इन आरोपों को लगाया जा सके। ये लोग बहाने तलाश रहे हैं। सपा आजमगढ़, रामपुर हार चुकी है और अब मैनपुरी में भी कमल खिलेगा।

हम गुंडों के बारे में नहीं देना चाहते प्रतिक्रिया: प्रो. रामगोपाल

प्रो. रामगोपाल यादव ने सरकार पर हमलावर होते हुए कहा कि सरकार जिलाधिकारी-पुलिस अधीक्षक के जरिए ज्यादती कर रही है। कोटेदारों और प्रधानों को धमकाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कल चुनाव आयोग जाकर हमने शिकायत भी की। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद पर हमलावर होते हुए उन्होंने कहा कि गुंडों के बारे में हम प्रतिक्रिया नहीं देना चाहते। यूपी में सरकार नहीं गुंडों का गिरोह काम कर रहा है। वोटर लिस्ट से बड़ी संख्या में नाम काटे गए हैं।

विधायक ने कमिश्नर को लिखा पत्र

पारा पुलिस कर रही जमीन पर कब्जा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पारा थाना क्षेत्र में मोहान रोड पुलिस चौकी के पास बैंक से नीलामी में खरीदी गई जमीन पर उच्च न्यायालय के यथास्थिति बनाए रखने के आदेश के बाद भी पारा पुलिस रातों रात जमीन पर अवैध कब्जा व निर्माण करवा रही है।

कैम्पवल रोड के रहने वाले डॉ. अजय गुप्ता ने पारा पुलिस पर यह आरोप लगाया है, उनका कहना है कि जबकि इस मामले में पारा थाने में धारा 120B, 147, 467, 468, 506, 504 एवं 427 के तहत एफआईआर भी दर्ज है और उच्च न्यायालय का स्थगन आदेश भी जांच अधिकारी व थानाध्यक्ष के संज्ञान में है। किन्तु उनका कहना है कि हम हाईकोर्ट के आदेश को नहीं मानते।

लखनऊ उत्तर से विधायक डा. नीरज बोरा ने पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर कहा है कि इस प्रकरण में पारा थाने के दरोगा मो. अफजल ने विपक्षियों से सांठगांठ कर फर्जी रिपोर्ट लगाकर उच्चाधिकारियों को गुमराह किया है। ऐसे कृत्यों से सरकार की छवि धूमिल हो रही है। विधायक नीरज बोरा ने दरोगा के खिलाफ कठोर दण्डातमक कारवाई किए जाने की मांग की है।

प्रेमी ने प्रेमिका के गले पर चाकू से किए कई वार, फिर खुद का गला भी काटा

» प्रेमिका की निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आजमगढ़। जिले के सिधारी थाना क्षेत्र स्थित रेलवे स्टेशन के समीप एक प्रेमी ने प्रेमिका के गले पर चाकू से वार कर दिया। जिससे प्रेमिका की मौत हो गई। वहीं खुद को भी चाकू मारकर जख्मी कर लिया। युवती को अधिक चोट लगने के कारण उसे एक निजी अस्पताल में ले गए। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं जख्मी प्रेमी का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। दोनों मुंबई से गोदान एक्सप्रेस ट्रेन से घर लौट रहे थे।

जहानागंज थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव निवासी 22 वर्षीय धनंजय पुत्र शिवचंद बिलरियागंज थाना क्षेत्र के धौरहरा गांव की रहने वाली एक युवती से प्रेमप्रसंग था। करीब पांच माह पूर्व वह लड़की को लेकर फरार हो गया था। वह गुरुवार की शाम गोदान एक्सप्रेस ट्रेन से उसके साथ आजमगढ़ रेलवे स्टेशन पहुंचा। जहां उसके माता-पिता व परिवार के कुछ सदस्य भी थे। लड़की को अपने साथ जाने के लिए धनंजय दबाव बनाने लगा। तभी उसके परिजन विरोध करने लगे। धनंजय ने चाकू से उसके गर्दन पर कई वार किए। जिससे युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। वहीं युवक ने खुद को भी गर्दन में चाकू से वार कर जख्मी कर लिया। युवती को उसके परिजन एक निजी अस्पताल में लेकर पहुंचे। जहां हालत गंभीर देख चिकित्सक ने हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया।

अस्पताल ले जाते समय युवती की रास्ते में ही मौत हो गई। परिजन शव को लेकर बिलरियागंज चले गए। वहीं जिला अस्पताल में भर्ती युवक की हालत गंभीर देख चिकित्सक ने हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया।

मानद उपाधि से सम्मानित किये गये डॉ. समीर

» गुंजन त्रिपाठी बिजनेस एंड मार्केटिंग के लिए मानद उपाधि से हुए सम्मानित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली के होटल ताज में कैलिफोर्निया पब्लिक यूनिवर्सिटी यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका की तरफ से, मेधज ग्रुप के संस्थापक डॉ. समीर त्रिपाठी को एस्ट्रोलॉजी में मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। यह कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय से सम्बद्ध दस परिसरों में दूसरा सबसे पुराना परिसर है। यूसीएलए विविध विषयों में 300 से अधिक पूर्वस्नातक और स्नातक डिग्री कार्यक्रम प्रस्तावित करता है और यूनाइटेड स्टेट्स और सम्पूर्ण विश्व के तकरीबन 26,000 पूर्व स्नातक और 11,000 स्नातक छात्र नामांकन करता है।

डॉ. समीर त्रिपाठी द्वारा ज्योतिष विद्या के क्षेत्र में किये गए योगदान एवं इसके प्रचार एवं प्रचार को शैक्षिक रूप में प्रोत्साहित करने के लिए सम्मानित किया गया। इसी क्रम में डॉ. समीर त्रिपाठी के अनुज भाई गुंजन त्रिपाठी को बिजनेस एंड मार्केटिंग के क्षेत्र में किये गए योगदान एवं उत्कृष्ट कार्यों के लिए मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।

डॉ. समीर त्रिपाठी ने बताया कि आने वाले वर्षों में मेधज रिसर्च एंड एजुकेशन (प्रा.)लि.'' अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आने वाली सभी आपदाओं की सूचना पहले से हर देश को अवगत कराएगा और भारत को वर्ष की शुरूआत होने से पहले देश के भीतर आने वाली सभी आपदाओं, वह चाहें आपातकालीन हो या राजनैतिक की सूचना दे कर देश की सुरक्षा में मदद करने का भागीदार बनाये ताकि सम्पूर्ण विश्व को रहने के लिए एक बेहतर जगह बना सकें।

गौतमबुद्ध नगर पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह का कड़ा रुख

लापरवाह सब इंस्पेक्टर को किया संस्पेंड

» पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने मोहर सिंह के विरुद्ध विभागीय जांच के भी दिए आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने आते ही कड़ा रुख अख्तियार किया है। 8क्ष लक्ष्मी सिंह ने थाना सेक्टर-39 क्षेत्र की सेक्टर-37 पुलिस चौकी पर तैनात सब इंस्पेक्टर मोहर सिंह को सस्पेंड किया है। सब इंस्पेक्टर पर लापरवाही बरतने के आरोप में यह एक्शन लिया गया है। सब इंस्पेक्टर मोहर सिंह के खिलाफ विभागीय जांच के भी आदेश दिए गए हैं।

बता दें, दो दिन पहले चौकी क्षेत्र से एक गुमशुदगी का मामला सामने आया था। गुमशुदा व्यक्ति के परिवार की ओर से सब इंस्पेक्टर को शिकायत दी गई थी। दो दिन बीतने के बावजूद सब इंस्पेक्टर मोहर सिंह ने इस पर कोई कदम नहीं उठाया। दूसरी और परिवार परेशान घूम रहा था। यह मामला पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह तक पहुंच गया। उन्होंने इसे गंभीरता से लिया और मोहर सिंह को सस्पेंड कर दिया है।

एसआई के खिलाफ पुलिस उपायुक्त को जांच सौंपी गई है। जांच रिपोर्ट आने पर सब इंस्पेक्टर के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही पुलिस कमिश्नर ने हिदायत दी है कि शिकायतों पर संजीदगी से संज्ञान ले। जो चौकी इंचार्ज, थाना इंचार्ज या दूसरे पुलिस अफसर आम आदमी की शिकायतों पर गंभीरता से काम नहीं करेंगे उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

थाना सेक्टर-39 में तैनात सब इंस्पेक्टर मोहर सिंह पर कार्रवाई करने के बाद पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने कहा, गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट की छवि खराब करने वाले किसी भी पुलिसकर्मी को बख्शा नहीं जाएगा।

पुलिस विदेश तक तलाशने का दावा करती रही और सपा विधायक खुद पहुंच गये गिरफ्तारी देने

» महिला के साथ भूमि विवाद के बाद दंगा और आगजनी करने के मामले में पिछले 8 नवंबर से चल रहे थे फरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी पुलिस फरार चल रहे सपा विधायक इरफान सोलंकी को विदेश तक तलाशने के दावे करती रही मगर वही इरफान सोलंकी आराम से खुद सरेंडर करने पहुंच गये।

बता दें कि भारतीय जनता पार्टी के सांसद सत्यदेव पचौरी के समर्थन के बाद सपा विधायक इरफान सोलंकी ने साथी सपा विधायक अमिताभ बाजपेई, रूमी हसन के साथ जाकर कमिश्नर बीपी जोगदंड के आवास पर किया सरेंडर विधायक के साथ उनकी पत्नी नसीमा और बच्चे भी मौजूद हैं। आपको बता दें कि बीजेपी सांसद सत्यदेव पचौरी ने कहा कि सपा विधायक के खिलाफ आपराधिक मामलों की जांच स्वतंत्र निष्पक्ष तत्वों के आधार पर की जानी चाहिए।

समाजवादी पार्टी के विधायक इरफान सोलंकी पिछले 8 नवंबर से फरार चल रहे थे एक महिला के साथ भूमि विवाद के बाद दंगा और आगजनी करने का मामला उनके खिलाफ दर्ज किया गया था। महिला ने विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान सोलंकी पर घर जलाने का आरोप लगाया था।

बता दें कि डिफेंस कॉलोनी जाजमऊ की नजीर फातिमा की शिकायत के बाद इरफान सोलंकी और उनके भाई पर एफआईआर दर्ज की गई थी। नाजी फातिमा ने इरफान सोलंकी उसके भाई पर आरोप लगाया था कि उनके 535 वर्ग गज के प्लॉट पर वह कब्जा करना चाहते हैं जिसके चलते उन्होंने उनके प्लॉट पर बनी एक झोपड़ी पर आग लगा दी। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस लगातार इरफान सोलंकी और उनके भाई को पकड़ने के लिए दबिश दे रही थी लेकिन वह पुलिस की पकड़ से हमेशा फरार रहे। इरफान सोलंकी ने एक वीडियो संदेश जारी कर आरोपों का खंडन किया साथ ही उन्होंने यूपी विधानसभा सतीश महाना से अपने खिलाफ लगे आरोपों की ठीक से जांच करने और न्याय सुनिश्चित करने के लिए विधायकों की समिति बनाने का अनुरोध किया।

इरफान पर इन धाराओं में दर्ज हुआ है मुकदमा

धारा 419: किसी दस्तावेज को फर्जी तरीके से बनाना। तीन साल तक सजा व जुर्माना।
धारा 420: धोखाधड़ी। सात साल तक की सजा व जुर्माना
धारा 467: कूटरचना। अगर केंद्र सरकार से जुड़े दस्तावेज को कूटरचना करके तैयार किया जाता है तो आजीवन कारावास या दस वर्ष की सजा और जुर्माना हो सकता है।
धारा 468: कूट रचना यह जानकारी की जाए कि इसका प्रयोग छल के लिए किया जाएगा। सात वर्ष तक की सजा और जुर्माना।
धारा 471: कोई दस्तावेज या इलेक्ट्रानिक अभिलेख, जिसके बारे में वह जानता हो कि वह दस्तावेज या इलेक्ट्रानिक अभिलेख कूटरचित है, को कपटपूर्वक या बेईमानी से असली के रूप में उपयोग करना। आजीवन कारावास या दस वर्ष तक की सजा और जुर्माना।
धारा 120बी: साजिश। सजा अपराध के हिसाब से होती है।

प्रचार के अंतिम दिन केजरीवाल का बड़ा दांव

जब तक आपका भाई जिंदा है, योग क्लासेज जारी रहेंगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम चुनाव के लिए रविवार यानी 4 दिसंबर को मतदान होगा। चुनाव से पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को एक बार फिर योग क्लासेज का मुद्दा उठाया है। उन्होंने नाम लिए बगैर उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर निशाना साधा है।

उन्होंने कहा, इन लोगों ने दिल्ली वालों की योग क्लासेज बंद करवा दीं, योग शिक्षकों की पेमेंट रुकवा दी। मैंने कसम खाई-मेरे दिल्ली के लोगों का योग बंद नहीं होने दूंगा। लोगों ने दिल खोल कर साथ दिया। आज योग शिक्षकों की पिछले महीने की सैलरी देंगे। जब तक आपका भाई जिंदा है, योग क्लास जारी रहेंगी।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले 12 नवंबर को दिल्ली में मुफ्त योग क्लासेज पर जारी राजनीति के बीच पत्रकार वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना पर हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि दिल्ली में लगने वाली योग क्लास को एलजी साहब ने रोक दिया, लेकिन हमने फिर शुरू कराया है। इसके साथ ही अरविंद केजरीवाल ने फिर कहा था कि कुछ भी हो जाए वह योग क्लास बंद नहीं होने देंगे।

मदद के लिए जारी किया था वाट्सऐप नंबर

अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि मैं योग क्लास को बंद नहीं होने दूंगा, इसके लिए मैं कहीं से भी पैसे लेकर आऊं। उन्होंने बताया था कि एक योगा शिक्षक को 15000 रुपये सैलरी के रूप में दी जाती है। दिल्ली के जो लोग भी योगा शिक्षक की सैलरी में मदद करना चाहते हैं वो वाट्सएप मैसेज भेज दें। उन्होंने कहा था कि योग क्लास चलाने में कोई रुकावट नहीं आए, इसके लिए लोग अपना योगदान दें। इसके लिए व्हाट्सएप नंबर जारी कर लोगों से योग शिक्षक के वेतन के लिए अपना योगदान देने की अपील की थी।

सिद्धू मूसेवाला का हत्यारोपी गोल्डी गिरफ्तार

पंजाब सीएम भगवंत मान बोले-भारत लाने के लिए अमेरिका से किया संपर्क

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड का मास्टरमाइंड गोल्डी बराड़ पकड़ा गया है। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक बराड़ को अमेरिका के कैलिफोर्निया में गिरफ्तार किया गया है। हाल ही में बराड़ के कनाडा से भागने की खबरें आई थीं और अब उसे दबोच लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, गोल्डी को बीती 20 नवंबर को डिटेन किया गया। अभी तक इसके बारे में कैलिफोर्निया पुलिस ने औपचारिक तौर पर कोई बयान नहीं दिया है।

बराड़ की गिरफ्तारी पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान का बयान भी सामने आया है। उन्होंने कहा कि कैलिफोर्निया पुलिस ने हमसे संपर्क किया है और हम भी अमेरिका से संपर्क कर रहे हैं। जल्द ही गोल्डी बराड़ को भारत लाया जाएगा और उसे सख्त से सख्त सजा दी जाएगी। सीएम ने कहा कि इससे बहुत से परिवारों को न्याय मिलेगा। भारतीय खुफिया एजेंसियों तक गोल्डी की गिरफ्तारी की जानकारी पहुंच गई है। जिसके बाद वह अमेरिकी एजेंसियों से संपर्क साध रही हैं। गोल्डी बराड़ के खिलाफ पहले ही 2 पुराने केसों में रेड कॉर्नर नोटिस जारी हो चुका है। वह कुछ दिन पहले ही कनाडा से राजनीतिक शरण के लिए कैलिफोर्निया भागा था। मूसेवाला के कत्ल के वक्त गोल्डी बराड़ कनाडा में रह रहा था। सिंगर के कत्ल के बाद गोल्डी भारतीय खुफिया एजेंसियों और मूसेवाला के फैंस के निशाने पर था।

गैंगस्टर लखबीर की मुखबिरी के बाद गोल्डी ने किया डिटेन

खुफिया एजेंसियों के मुताबिक कनाडा बैठे गैंगस्टर लखबीर सिंह लंडा हरीके की मुखबिरी पर गोल्डी बराड़ को डिटेन किया गया। इससे यह भी संभावना जताई जा रही है कि गैंगस्टरों में भी फूट पड़ चुकी है। जिसकी वजह से वह खुफिया एजेंसियों को एक-दूसरे के खिलाफ इनपुट दे रहे हैं।

अखिलेश के तंज पर केशव और पाठक का पलटवार

» 2024 में सभी 80 की 80 सीटों पर जीत करेंगे दर्ज : पाठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सूबे में हो रहे उपचुनाव को लेकर सियासी घमासान चल रहा है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर दोनों उपमुख्यमंत्रियों ने हमला बोला है।

उत्तर प्रदेश में तीन उपचुनावों को लेकर सियासी माहौल गरमाया हुआ है। गुरुवार को रामपुर में प्रचार करने गए सपा मुखिया अखिलेश यादव ने योगी सरकार के दोनों डेप्युटी सीएम को बगावत करने की सलाह दी तो केशव प्रसाद मौर्य भिड़ गए। शुक्रवार को उन्होंने अखिलेश पर पलटवार करते हुए कहा कि अखिलेश यादव न तो मुख्यमंत्री बन पाएंगे और न बना पाएंगे। उन्होंने यहां तक कह दिया कि सपा मुखिया अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि अखिलेश यादव मुंगेरी लाल के हसीन सपने देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि उपचुनाव तो अभी ट्रेलर है, 2024 में सभी 80 की 80 सीटों पर जीत दर्ज करेंगे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।